Sixteenth Loksabha

an>

Title: The Minister of state in the Ministry of Human Resource Development and Minister of State in the Ministry of Water Resources, River Development and Ganga Rejuvenation made a statement regarding the status of implementation of the recommendations contained in the 288th Report of the Standing Committee on Human Resource Development.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WATER RESOURCES, RIVER DEVELOPMENT AND GANGA REJUVENATION (DR. SATYA PAL SINGH): I beg to make a statement regarding the status of implementation of the recommendations contained in the 288th Report of the Standing Committee on Human Resource Development on Demands for Grants (2017-18), pertaining to the Department of Higher Education, Ministry of Human Resource Development.

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आप बोलिए।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात सुनाई नहीं दे रही है।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसे नहीं करते हैं। You cannot do like this.

…(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा): माननीय अध्यक्ष जी, नो कॉन्फिडेंस मोशन मूव करने के लिए 50 लोग होने चाहिए, यहां 50 से ज्यादा लोग हैं। हम चर्चा से नहीं भाग रहे हैं, हम चर्चा करने के लिए तैयार हैं, हमने नो कॉन्फिडेंस मोशन मूव किया है।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I cannot do like this. How can I proceed?

... (*Interruptions*)

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार): माननीय अध्यक्ष जी, आपने पिछले 15 दिनों से लगातार सबको अपील की है, खासकर कांग्रेस और अपोजिशन पार्टी को आर्डर मैन्टेन करने की अपील की है। ... (व्यवधान)

मोदी सरकार चर्चा के लिए तैयार है। यहां भी हमें कॉन्फिडेंस है और बाहर भी कॉन्फिडेंस है।...(व्यवधान) मैं कांग्रेस को इतना ही कहना चाहूंगा कि अब यह हाल हो गया है कि एलाइएंस में भी पिछलग्गू बन गए हैं और सीट एजस्ट में भी पिछलग्गू बन गए हैं। ...(व्यवधान) अब नो कॉन्फिडेंस मोशन के बारे में भी पिछलग्गू बन गए हैं। उनकी कोई प्राइमेसी नहीं रही, मार्जनल पार्टी बन चुके हैं, इसलिए खड़गे जी को आत्मचिंतन करना चाहिए।

हम अविश्वास के बारे में चर्चा करने के लिए तैयार हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : हो गया, बहुत हो गया।

...(व्यवधान)